Dainik Bhaskar (Indore), 06th February 2025, Page- 08

आईआईटी से ग्रेजुएट हुए 23 नॉन आईआईटीयंस

यूजी इन बाउंड प्रोग्राम के तहत ली ट्रेनिंग

इंदौर | इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर की इस बार की पासआउट बैच में दो दर्जन नॉन आईआईटीयंस भी रहेंगे। ये वे स्टूडेंट हैं, जिन्होंने सात सेमेस्टर की पढ़ाई अपने कॉलेज में की और आखिरी सेमेस्टर की पढ़ाई करने आईआईटी पहुंचे। आईआईटी में पढ़े इन नॉन आईआईटीयंस ने प्रैक्टिकल नॉलेज के साथ रिसर्च की बारीकियां भी समझी।

आईआईटी इंदौर ने अंडरग्रेजुएट इन बाउंड प्रोग्राम विद्या समागम की शुरुआत की है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के अंतिम वर्ष के बीई/बीटेक छात्रों को आईआईटी में पढ़ने का मौका दिया जाता है। इसके लिए राज्य सरकार और आईआईटी इंदौर के बीच एमओयू हुआ है। विद्या समागम की पहली बैच में प्रदेश के सरकारी कॉलेजों के 23 प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स को मौका मिला जिनमें 8 छात्राएं थीं, जबकि इस बार की बैच में 17 छात्र और 7 छात्राएं रहीं। प्रोग्राम के माध्यम से छात्रों को आईआईटी के विश्व स्तरीय शैक्षणिक परिवेश व उन्नत शोध सुविधाओं से अवगत कराया गया। स्टूडेंट्स को सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, दूरसंचार इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, पदार्थ विज्ञान, मेक्ट्रॉनिक्स और मेटलर्जी जैसे क्षेत्रों में कोर्स की एक सीरीज चुनने का विकल्प दिया जाता है। आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी ने कहा, हम उन सभी योग्य इंजीनियरों को अनूठा अवसर प्रदान कर रहे हैं जो आईआईटी में जगह नहीं बना पाए।